प्रयुक्त ग्रन्थ सूची

अंगविज्जा—(प्राकृत टेक्स्ट सोसायटी, बनारस, सन् १९५७)।

अंतकृद्दशा—(अंगसुत्ताणि भाग ३, जैन विश्व भारती, लाडनूं, सन् १९७४)।

अंतकृद्दशा टीका—(आगमोदय समिति, बम्बई, सन् १९२०)।

अनुत्तरौपपातिकदशा—(अंगसुत्ताणि भाग ३, जैन विश्व भारती, लाडनूं, सन् १९७४)।

अनुत्तरौपपातिकदशा टीका—(आगमोदय समिति, बम्बई, सन् १९२०)।

अनुयोगद्वार—(नवसुत्ताणि (५), जैन विश्व भारती, लाडनूं, सन् १९८६)।

अनुयोगद्वार चूर्णि—(श्री ऋषभदेव केशरीमल श्वेताम्बर संस्था, रतलाम, सन् १९२८)।

अनुयोगद्वार मलधारीया टीका—(श्री केशरबाई ज्ञानमन्दिर, पाटण, सन् १९३९)।

अनुयोगद्वार हारिभद्रीया टीका—(सेठ देवचन्द लालभाई जैन पुस्तकोद्धार, बम्बई,संवत् १९७३)।

अपभ्रंश काव्यधारा—(संपादक डॉ. प्रेमसुख जैन, डॉ. कृष्णकुमार शर्मा, सरस्वती पुस्तक भण्डार, अहमदाबाद, सन् १९७४)।

अभिधानचिंतामणि नाममाला—(श्री जैनसाहित्यवर्धक सभा, अहमदाबाद, वि. सं. २०३२)।

अमरकोश—(चौखम्बा संस्कृत सिरीज, वाराणसी, सन् १९६८)।

अल्पपरिचित शब्दकोश—(संपा. आचार्य आनन्द सागर सूरि, देवचन्द लालभाई जैन पुस्तकोद्धार, सूरत, प्रथम संस्करण, १९७४)।

अष्टाध्यायी – (पणिनि'ज ग्रेमेटिक, १९७७, जोर्ज ओल्म्स वरलेग, हिलडेशियम, न्यूयार्क)।

आख्यानक-मणिकोश – (संपा. मुनि पुण्यविजय प्राकृत ग्रन्थ परिषद्, वाराणसी, सन् १९६२)।

आचारांग --(अंगसुत्ताणि भाग १, जैन विश्व भारती, लाडनूं, सन् १९७४)।

आचारांग चूर्णि—(श्री ऋषभदेव केशरीमल श्वे. संस्था, रतलाम, सन् १९४१)।

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org